आईआईटी रुड़की, कानपुर के अलावा दिल्ली यूनिवर्सिटी के पूर्व छात्र शहर में चार स्थानों पर लगा रहे फुटपाथशाला

आईआईटी के युवा गरीब बच्चों में जगा रहे शिक्षा की अलख

इनसे सीखें

गुरुग्राम | सोमदत्त शर्मा

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नॉलोजी (आईआईटी) के पूर्व छात्र फुटपाथशाला के जरिए गरीब बच्चों के जीवन को शिक्षा से रोशन कर रहे हैं। सप्ताहांत में शहर के चार केंद्रों पर 200 से अधिक बच्चों को पढ़ाते हैं।

आईआईटी से शिक्षा लेने के बाद बहुराष्ट्रीय कंपनियों में कार्यरत युवकों ने समूह बनाया है। इसमें आईआईटी रुड़की, कानपुर के अलावा दिल्ली यूनिवर्सिटी के पूर्व छात्र शामिल हैं। उपाय संस्था के जरिए शहर में चार स्थानों पर फुटपाथशाला लगा रहे हैं। सोहना रोड, सेक्टर-51, आर्टिमिस अस्पताल और सिकंदरपुर मेट्रो स्टेशन के पास स्कूल चलाए जा रहे हैं। बच्चों को निःशुल्क शिक्षा दी जा रही है। फुटपाथशाला में अभी तक झुग्गी-झोपड़ियों के 200 से अधिक बच्चे दाखिला करा चुके हैं, जिन्हें सप्ताहांत शाम 5 से 7 बजे तक आईआईटी के पूर्व छात्र पढ़ाते हैं। उपाय संस्था के प्रमुख विनय कृष्णा गुप्ता ने बताया कि फटेहाल जिंदगी जी रहे आर्थिक तौर पर बच्चे शिक्षा से वंचित रह जाते हैं, जिसके कारण उन्हें भी अपने माता-पिता की तरह मजदूरी कर जिंदगी गुजर-बसर करनी पड़ती है। कुछ बच्चों से टकराने के बाद उन्होंने साथियों संग मिल संस्था का निर्माण किया, जिसके जरिए बच्चों को शिक्षित किया जाता है।

गुरुग्राम में गरीब बच्चों को शिक्षा दे रहे आईआईटी रुड़की के छात्र। शहर में अलग-अलग स्थानों पर पेड़ों के नीचे कक्षाएं लगाते हैं। ● हिन्दुस्तान

जेब से खर्च कर दाखिला

बच्चों को पढ़ाने के लिए संस्था से जुड़े लोग खुद खर्च करते हैं। संस्था की योजना है कि जो छात्र पढ़ना सीख गए हैं उन्हें स्कूलों में भर्ती कराया जाए। इसका खर्च भी खुद की जेब से ही देंगे। संस्था को विनय और आकांक्षा ने शुरू किया था।

कक्षाएं लगाने का लक्ष्य

संस्था का प्रयास है कि पूरे शहर में फुटपाथशाला लगायी जाएं। दिल्ली में भी फुटपाथशाला लगाने की योजना बनायी जा रही है, विशेषकर झुग्गी झोपड़ी, स्लम एरिया और कंस्ट्रक्शन साइटों के नजदीक। कक्षाएं लगाने के लिए संस्था प्रयास कर रही है।